पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

मानव की पीड़ा समझने की शक्ति चिकित्सकों में होती है - राज्यपाल

लखनऊः 20 दिसम्बर, 2015

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के दीक्षान्त समारोह में प्रो0 धावेन्द्र कुमार को मानद उपाधि से सम्मानित किया। दीक्षान्त समारोह में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त करने के लिए छात्र-छात्राओं को स्वर्ण पदक एवं अवार्ड दिये गये। राज्यपाल द्वारा दीक्षान्त समारोह में कु0 वत्सला कटियार, श्री अनन्य गुप्ता, कु0 सुशान्तिका, कु0 इशरत सिद्दीकी, कु0 दीपशिखा त्रिपाठी, कु0 सोनम खोखर, डा॰0 शिखा गौतम, डा॰0 स्वाति वर्मा, डा॰0 सौरभ कुमार सिन्हा, डा॰0 तारिषि निमानी, डा॰0 प्रद्योत तिवारी, डा॰0 अमित कुमार श्रीवास्तव, डा॰0 बृजेश प्रताप सिंह, डा॰0 मुकेश शुक्ला, डा॰0 अरिशा आलम, डा॰0 विनोद कुमार, डा॰0 पल्लवी आरवाल, डा॰0 गुंजन, डा॰0 राकेश कुमार मिश्रा, डा॰0 ईशा सज्जनहार, डा॰0 प्रेमशंकर, डा॰0 राहुल गुप्ता, डा॰0 नीलेश जैन, डा॰0 निशान्त वर्मा, सुश्री सुवीरा डेविड को स्वर्ण पदक एवं अन्य पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। समारोह में एम0बी0बी0एस0, बी0डी0एस0, डिप्लोमा, एम0एस0, एम0डी0, एम0डी0एस0, डी0एम0, एम0सी0एच0, पीएच0डी0 तथा नर्सिंग की उपाधि वितरित की गयी।

राज्यपाल ने इस अवसर पर अपनी ओर से उपाधि प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को शुभकामना देते हुए कहा कि मानव की पीड़ा समझने की शक्ति चिकित्सकों में होती है। चिकित्सक का मृदुल स्वभाव मरीज के लिए महत्वपूर्ण होता है। आज भी देश की 60 प्रतिशत आबादी गाँव में रहती है। सप्ताह में कम से कम एक दिन हमारे चिकित्सक ग्रामीण क्षेत्र के रोगियों तक पहुँचने की कोशिश करें। चिकित्सा का व्यवसाय दूसरों की समस्या का समाधान कर सकता है। जीवन में नैतिकता को महत्व दें। जीवन में केवल पैसा कमाना ध्येय नहीं होना चाहिए। रोगी सेवा के समय चिकित्सक उस शपथ को न भूलें जो उन्होंने अपनी पढ़ाई पूरी करने पर ली थी। उन्होंने कहा कि चिकित्सकों का पेशा परोपकार से जुड़ा है।

श्री नाईक ने कहा कि औपचारिक शिक्षा समाप्त होने के बाद भी सीखने की प्रक्रिया समाप्त नहीं होती है। मनुष्य अपने जीवन में निरन्तर सीखता रहता है। देश में कई बार लोग महिला सशक्तिकरण करने की बात करते हैं। लड़कियाँ स्वाभाविक रूप से ज्यादा मेहनत करती हैं। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि 107 पुरस्कारों में से 75 पुरस्कार छात्राओं को मिले हैं। उन्होंने कहा कि छात्र भी पढ़ाई में कड़ी मेहनत करें। राज्यपाल ने उपाधि प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को सफलता के चार मंत्र बताते हुए कहा कि उनके स्वयं के सफल जीवन में इन चार मंत्रों का बहुत महत्व है। उन्होंने यह भी कहा कि सार्थक जीवन बनायें तो परिवार, शिक्षण संस्थान, प्रदेश एवं देश के लिए अभिमान की बात होगी।

चिकित्सा शिक्षा राज्यमंत्री श्री राधेश्याम ने स्वर्ण पदक एवं उपाधि प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को अपना आर्शीवाद देते हुए कहा कि अपने जीवन में बड़ा लक्ष्य बनायें। उन्होंने कहा कि बडे लक्ष्य से ही बड़ा स्थान प्राप्त हो सकता है।

राज्यपाल ने दीक्षान्त समारोह में किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय पर आधारित एक काफी टेबल बुक का विमोचन किया तथा सर्जरी पर आधारित डा॰0 टी0सी0 गोयल तथा डा॰0 अतुल गोयल द्वारा लिखित पुस्तक का भी लोकार्पण किया। समारोह में कुलपति प्रो0 रविकांत ने स्वागत उद्बोधन दिया।

The Convocation

The Convocation
20 December 2015
The Convocation
The Convocation
20 December 2015

The Convocation

The Convocation
20 December 2015